

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया; कुलपति और कुलसचिव ने स्वतंत्रता संग्राम के नायकों के बलिदान को राष्ट्र के साथ की श्रद्धांजलि अर्पित

नई दिल्ली, 15 अगस्त, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने डॉ. एम.ए. अंसारी सभागार और इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय सभागार के प्रांगण में बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। इस अवसर पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया के माननीय कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़ और जेएमआई के कुलसचिव प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी, गणमान्य संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, छात्रों और पूर्व छात्रों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरुआत गणमान्य व्यक्तियों के आगमन के साथ हुई, जिनका एनसीसी अधिकारियों और कैडेटों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रो. आसिफ़ और प्रो. रिज़वी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जिसके बाद छात्रों और कर्मचारियों ने राष्ट्रगान गाया, जिससे माहौल पूरी तरह से गंभीरता, श्रद्धा और राष्ट्रीय गौरव की भावना से भर गया।

इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय सभागार में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समारोह जारी रहा, जिसकी शुरुआत पवित्र कुरान की आयतों के पाठ और उनके अनुवाद, 'जामिया तराना' के भावपूर्ण गायन और अतिथियों के अभिनंदन से हुई।

छात्र कल्याण डीन प्रो. नीलोफर अफजल ने गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उपस्थित लोगों को याद दिलाया कि 15 अगस्त 1947 न केवल औपनिवेशिक शासन के अंत का दिन था, बल्कि अनगिनत सपनों के पूरा होने और एक सामूहिक जिम्मेदारी की शुरुआत का भी दिन था। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जामिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों का हार्दिक अभिनंदन किया और औपनिवेशिक उत्पीड़न से सामाजिक-आर्थिक शोषण से मुक्ति की ओर भारत की यात्रा पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, "1947 में आज ही के दिन, हमें न केवल राजनीतिक आज़ादी मिली, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और कई अन्य आज़ादियाँ भी मिलीं, जो हमारे जीवन को जीने लायक बनाती हैं। इस आज़ादी को बचाए रखना एक कठिन काम और हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है।" प्रोफ़ेसर रिज़वी ने श्रोताओं को याद दिलाया कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत दुनिया को प्रेरित करती रहती है। देश की आज़ादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए, प्रोफ़ेसर रिज़वी ने कहा, "हमें अपनी संस्कृति और परंपरा को पोषित और संरक्षित करने की ज़रूरत है।"

प्रोफ़ेसर मज़हर आसिफ ने स्वतंत्रता सेनानियों के सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि देते हुए "वंदे मातरम" से शुरुआत की। उन्होंने जामिया बिरादरी से ईमानदारी, स्वतंत्रता और सेवा के मूल्यों को बनाए रखने, मानवीय गुणों को विकसित करने और द्वेष से ऊपर उठने का आग्रह किया। सकारात्मक सोच, आत्मनिर्णय और ईश्वर में विश्वास के महत्व पर ज़ोर देते हुए, उन्होंने सभी को दृढ़ता के साथ अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रो. आसिफ ने कहा, "अंधकारमय समय में भी धैर्य नहीं छोड़ना चाहिए और हमें आशावान बने रहना चाहिए क्योंकि सर्वशक्तिमान ईश्वर हमेशा अपनी सृष्टि के साथ है।" उन्होंने जामिया स्कूलों के छात्रों के प्रदर्शन की भी सराहना की और महिलाओं का सम्मान करने तथा समाज में उनकी अमूल्य भूमिका को स्वीकार करने की आवश्यकता पर बल दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में जामिया की जीवंत विविधता झलकी, जिसमें विभिन्न स्कूलों के प्रदर्शन, वाद-विवाद क्लब के भाषण, श्री जीशान अहमद और उनकी टीम द्वारा एक मधुर गज़ल युगल गीत और एंग्लो-अरबी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों द्वारा एक दिल को छू लेने वाली कव्वाली शामिल थी। जामिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों द्वारा आठ क्षेत्रीय भाषाओं में 'जामिया तराना' की अनूठी प्रस्तुति ने खूब तालियाँ बटोरीं। मुशीर फातिमा नर्सरी स्कूल के छात्रों और जामिया मिडिल स्कूल के प्रतिभाशाली कलाकारों ने अपने मनमोहक नृत्य प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सैयद आबिद हुसैन सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने विभाजन और भारत की शक्ति एवं आत्मनिर्भरता की यात्रा पर एक मार्मिक प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम का समापन सहायक डीएसडब्ल्यू डॉ. उमैमा के धन्यवाद ज्ञापन और उसके बाद राष्ट्रगान के साथ हुआ। दिन का समापन हाई टी के साथ हुआ, जिसने समारोह के गरिमापूर्ण समापन को चिह्नित किया, जिसमें गंभीर स्मृतियों और उत्सवी आनंद का मिश्रण था।

79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपलक्ष्य में, इस सप्ताह की शुरुआत में विश्वविद्यालय में एक भव्य 'तिरंगा यात्रा' और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा 2 से 15 अगस्त, 2025 तक मनाए जा रहे "आज़ादी का अमृत महोत्सव" के तत्वावधान में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के विभिन्न विभागों, केंद्रों और कार्यालयों द्वारा कई व्याख्यान और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय के द्वारा देशभक्ति, एकता और साहस के प्रतीक केसरिया, सफेद और हरे रंगों से सजी एक शानदार "तिरंगा" प्रकाश व्यवस्था से जगमगा उठे हैं। स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपलक्ष्य में 13 अगस्त, 2025 को शुरू हुई इस मनमोहक प्रकाश व्यवस्था ने परिसर में उत्सव के माहौल को और भी बढ़ा दिया है, जिसकी छात्रों, संकाय सदस्यों और राहगीरों ने प्रशंसा की है। चमचमाती विशेष तिरंगा प्रकाश व्यवस्था के अलावा, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सभी द्वारों और भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया है।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी